www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी खबर

वर्ष – 04 | अंक – 343 | जौनपुर, सोमवार, 03 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

नशे को हराकर बाहर आने वाला युवा असली योद्धा, समाज उसे दूसरा अवसर दे - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत संकल्प अभियान' के शुभारंभ के अवसर पर देशभर से जुड़े युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के युवाओं का तन और मन से स्वस्थ, आत्मविश्वास से भरपूर और नशे जैसी घातक आदतों से दूर रहना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशे के खतरों को समझने, जागरूक रहने और समाज में नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी का सांसद होने के नाते उन्हें खुशी है कि इस अभियान का पायलट प्रोजेक्ट पिछले साल काशी की पवित्र धरती से शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि इस अभियान में वैज्ञानिक स्पष्टता के साथ आध्यात्मिक ऊर्जा, संतों का आशीर्वाद और भारत की महान सांस्कृतिक विरासत भी जुड़ी है। देश के 125 से अधिक आध्यात्मिक संगठन, सामाजिक संगठन और एनजीओ इस दिशा में संकल्प लेकर साथ आए हैं। 'काशी डिक्लेरेशन' के जरिए रोडमैप तैयार किया गया और अब काशी से निकला यह कल्याणकारी विचार राष्ट्रीय परियोजना बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि व्यक्तिगत प्रयास में कई बार व्यक्ति निराश और थका हुआ महसूस कर सकता है, लेकिन जब

कोई प्रयास सामूहिक अभियान बन जाता है और करोड़ों लोग कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ते हैं, तो नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि यह सामूहिक ताकत अब हर युवा मन को छूने वाली है। लाखों युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली है और अपने जीवन, स्कूल, कॉलेज तथा समाज को नशे से दूर रखने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लिया गया संकल्प अगले 100 सप्ताह तक लगातार आगे बढ़ेगा। हर रविवार कला, संस्कृति, खेल, मेडिटेशन, आध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी और नशा मुक्ति का संदेश नए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने बताया कि हजारों स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लाखों विद्यार्थी ऑनलाइन इस कार्यक्रम से जुड़े हैं। माई भारत के वॉलंटियर्स और एनएसएस के युवा भी इसमें शामिल हुए हैं। देश के अलग–अलग क्षेत्रों और संस्थानों से जुड़े एक करोड़ से अधिक युवा इस अभियान का हिस्सा बने हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे इस बड़े आंदोलन के लीडर हैं और उन्होंने यह विश्वास मजबूत किया है कि भारत का युवा जागरूक, समझदार और अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीर है। उन्होंने युवाओं को भारत की अमृत पीढ़ी बताते हुए कहा कि अगले 20–25 वर्षों में वे अपने जीवन को दिशा देंगे और 2047 में देश को विकसित भारत की मंजिल तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि देश को युवाओं की ऊर्जा, कल्पनाशक्ति और प्रतिभा की जरूरत है। इसलिए देश और अपने जीवन के लिए खुद को नशा मुक्त रखना बेहद जरूरी है। नशा फोकस को भटकाता है और धीरे–धीरे युवाओं को उनके सपनों से दूर ले जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज के युवा स्टार्टअप, एआई, खेल, अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्र में नए कीर्तिमान बना रहे हैं। लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की लत में फंस जाता है तो केवल एक युवा नहीं हारता, बल्कि एक सपना हार जाता है और एक परिवार टूट जाता है। उन्होंने कहा कि नशा एक मां की मुस्कान छीनता है, पिता के सपनों को चूर–चूर करता है, बहन की राखी की उम्मीद को कमजोर करता है और छोटे भाई का आदर्श छीन लेता है। पीएम मोदी ने कहा कि जब परिवार और समाज में नशे की समस्या बढ़ती है तो राष्ट्र की शक्ति भी कमजोर होती है। उन्होंने कहा कि दुश्मन देश भी षड्यंत्र के जरिए भारतीय युवाओं को नशे की लत में खींचने की कोशिश करते हैं। ड्रग्स की सप्लाई के जरिए कमाई करना और भारत जैसे देश को कमजोर करना आतंकी साजिश का हिस्सा भी हो सकता है।

संक्षिप्त खबरें

बांकीपुर उपचुनाव में आगे, पांचवें दौर की मतगणना के बाद बढ़त

पटना, (एजेंसी)। तीन अगस्त बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की मतगणना के पांचवें दौर के बाद जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार प्रशांत किशोर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नीरज कुमार से 2,319 मतों के अंतर से आगे हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कुल 31 दौर की मतगणना में से पांच दौर पूरे हो चुके हैं। ताजा रुझानों के मुताबिक, प्रशांत किशोर को 8,971 मत मिले हैं, जबकि भाजपा के नीरज कुमार को 6,652 मत प्राप्त हुए हैं। प्रशांत किशोर 2,319 मतों की बढ़त बनाए हुए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा कुमारी 1,534 मत हासिल कर तीसरे स्थान पर हैं। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए मतगणना सोमवार सुबह आठ बजे शुरू हुई। सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पहली बार चुनाव लड़ रहे प्रशांत किशोर भाजपा से यह सीट छीनने में सफल होते हैं या नहीं। बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि जनता का जो भी फैसला होगा, उसे स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''ये शुरुआती रुझान हैं। कुछ और दौर की मतगणना के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। हमें उम्मीद है कि जनादेश राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में होगा, क्योंकि हमने सभी जातियों, धर्मों और समुदायों के लोगों के विकास के लिए काम किया है।

दिल्ली में पैदल यात्रियों के लिए हो अतिक्रमण–मुक्त जगह

नई दिल्ली, (एजेंसी)।, तीन अगस्त उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि जहां भी सड़क हो, वहां पैदल यात्रियों के लिए उचित रूप से चिह्नित और अतिक्रमण–मुक्त स्थान सुनिश्चित किया जाए। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज से कहा कि वह संबंधित अधिकारियों को निर्देश दें कि पैदल यात्रियों के लिए निर्धारित स्थान पर किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं हो और उसे मोटर वाहनों के मार्ग से स्पष्ट रूप से अलग रखा जाए। पीठ ने कहा, ''बिना किसी बड़े निवेश या निर्माण कार्य के भी यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि पैदल यात्रियों के लिए स्थान का स्पष्ट सीमांकन हो। जहां भी सड़क है, वहां पैदल यात्रियों के लिए अलग जगह होनी चाहिए। इसे रस्सी या किसी अन्य साधन से चिह्नित किया जाए और यह सुनिश्चित हो कि वहां कोई अतिक्रमण नहीं हो।'' पीठ ने उन्हें अधिकारियों को निर्देश देने के लिए दो सप्ताह का समय दिया और इस बात पर जोर दिया कि पैदल यात्रियों को यह भरोसा होना चाहिए कि यह स्थान उनके लिए ही है और वे बिना किसी चलते वाहन के खतरे के स्वतंत्र रूप से चल सकते हैं।

किसी भी धर्म का मजाक उड़ाना किसी भी तरह से उचित नहीं – मैथिली ठाकुर

पटना, (एजेंसी)। भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि किसी भी धर्म का मजाक उड़ाना किसी भी तरह से सही नहीं है। उन्ह्होंने ये बातें वाराणसी में राहुल गांधी और पप्पू यादव के खिलाफ एफआईआर पर कहीं। इसके साथ ही, उन्ह्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के 39 मेडल जीतने की तारीफ की और बिहार पुलिस पर प्रशांत किशोर के आरोपों को खारिज कर दिया। वहीं, भाजपा नेता ने बिहार के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी

को एशिया चौंपियंस ट्रॉफी के लिए उनके सिलेक्शन पर बधाई दी।भारत राष्ट्रीय समाचार कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के शानदार प्रदर्शन पर भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, ष्हमें भारत पर बहुत गर्व है, और मैं देश का नाम रोशन करने वाले सभी खिलाड़ियों का शुक्रिया अदा करती हूं। मैं भविष्य के लिए सभी को शुभकामनाएं देती हूं। भारत ऐसे ही आगे बढ़ता रहे और तिरंगा हमेशा ऊंचा लहराता रहे।ष वाराणसी में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर मैथिली ठाकुर कहती हैं, षकिसी भी धर्म का मजाक उड़ाना किसी भी तरह से सही नहीं है। हम ऐसे देश में रहते हैं, जहां हर धर्म का समान रूप से सम्मान किया जाता है। यह एक बहुत ही निजी पसंद है, और कोई भी अपने धर्म के बारे में कुछ भी नकारात्मक नहीं सुनना चाहेगा।

उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग गहरा करने पर सहमति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री सैदोव बख्तियार ओडिलोविच ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि यह दौरा द्विपक्षीय सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने और विभिन्न क्षेत्रों में आपसी साझेदारी को गहरा करने का अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "उज्बेकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्री सैदोव बख्तियार ओडिलोविच ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं, जो पुराने

व्यापार मार्गों से जुड़े हैं। राष्ट्रपति सचिवालय ने आगे लिखा कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि यह दौरा द्विपक्षीय सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने और अलग–अलग क्षेत्रों में आपसी फायदेमंद साझेदारी को गहरा करने का मौका देता है। इससे पहले दिन में सैदोव बख्तियार ओडिलोविच भारत और उज्बेकिस्तान के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। उनके स्वागत में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, "उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री बख्तियार सैदोव का नई दिल्ली में आधिकारिक दौरे पर आने पर बहुत गर्मजोशी से स्वागत है। सैदोव भारत सरकार के निमंत्रण पर तीन से पांच अगस्त तक भारत में रहेंगे। राष्ट्रपति मुर्मु से मुलाकात के बाद वे विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से भी बातचीत करेंगे। इसके अलावा, वे नई दिल्ली में एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे, जहां दोनों देशों के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा होगी। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और उज्बेकिस्तान व्यापार, निवेश, तकनीक, ऊर्जा, शिक्षा और कनेक्टिविटी जैसे कई क्षेत्रों में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना चाहते हैं। दौरे से पहले 20 जुलाई को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सैदोव से टेलीफोन पर बात की थी।

बृजभूषण की रिहाई महिला सुरक्षा पर पाखंड - प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण शरण सिंह और ॅथ्प् के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर के बरी होने पर केंद्र सरकार की आलोचना की और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो वे कहते हैं कि वे युवा पीढ़ी के साथ हैं, महिला सशक्तिकरण और महिला आरक्षण की बात करते हैं, और दूसरी तरफ वे ऐसा करते हैं। बृजभूषण शरण सिंह से जुड़ा यौन उत्पीड़न का मामला महिला पहलवानों द्वारा प्रमुख के तौर पर उनके कार्यकाल

के दौरान लगाए गए आरोपों से शुरू हुआ था। दिल्ली पुलिस ने 2023 में सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें यौन उत्पीड़न, महिलाओं के खिलाफ हमला या आपराधिक बल का इस्तेमाल और आपराधिक धमकी जैसे अपराधों का आरोप लगाया गया था। इस मामले में तोमर को भी सह–आरोपी बनाया गया था। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसमें संसद के भीतर विपक्ष की मांगों पर बात करने की हिम्मत नहीं है। इन मांगों में छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चंदा चोरी का मामला शामिल है। उन्होंने संसदीय कार्यवाही में गृह मंत्री की गैर–मौजूदगी पर सवाल उठाए और कहा कि पिछले सत्रों में उनकी सक्रिय मौजूदगी के मुकाबले यह एक बड़ा बदलाव है। वेणुगोपाल ने कहा कि हम बस एक सीधा–सा सवाल पूछ रहे हैंरू गृह मंत्री संसद क्यों नहीं आ रहे हैं? वे संसद से क्यों भाग रहे हैं? इसकी क्या वजह है? आप देख सकते हैं कि हर सत्र में गृह मंत्री बहुत सक्रिय रहते थे। पिछले दो सालों में, हर संसदीय सत्र में – चाहे उनका अपना बिल हो या कोई और बिल – वे सक्रिय रहते थे। लेकिन इस सत्र में वे संसद ही नहीं आ रहे हैं, न लोकसभा आ रहे हैं ।

100 लोगों के साथ कल जाऊंगा पीएम आवास – अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि वे मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास तक एक मार्च का नेतृत्व करेंगे। इस मार्च का मकसद म्20 पेट्रोल के रोलआउट का विरोध करने वाली एक ऑनलाइन याचिका सौंपना है, जिस पर 2,00,000 से ज़्यादा लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने कहा कि ई20 पेट्रोल से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा के लिए अपॉइंटमेंट मांगने के लिए पिछले महीने प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र का कोई जवाब न मिलने पर वे खुद ये याचिकाएं सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि इन याचिकाओं में इस ईंधन से जुड़ी गाड़ियों की समस्याओं के बारे में लोगों की शिकायतें शामिल हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका से इथेनॉल खरीदने के लिए ट्रंप के सामने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल को लगातार बढ़ावा देना किसी छिपे हुए एजेंडे की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि मैं कल 100 लोगों के साथ प्रधानमंत्री आवास जाऊंगा ताकि जनता के हस्ताक्षर वाली अर्जियां उन्हें व्यक्तिगत रूप से सौंप सकूं और इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर सकूं। लोगों को अपनी गाड़ियों को लेकर कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, फिर भी सरकार इसे जारी रखे हुए हैय इसका मतलब है कि इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा है। उन्होंने कहा कि लोग कह रहे हैं कि पीएम मोदी पर अमेरिका से इथेनॉल खरीदने के लिए ट्रंप का दबाव है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संसद में घेरा

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। तीन अगस्त कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि राम मंदिर को मिले चढ़ावे की ''चोरी'' कैसे हुई। खरगे ने संसद भवन स्थित अपने कक्ष में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की बैठक के बाद 'एक्स' पर पोस्ट किया,

''मोदी सरकार को 'इंडिया' को जवाब देना होगा। पहला, गृह मंत्री संसद में आएं और छात्रों पर लाठीचार्ज एवं पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें।'' उन्होंने कहा, ''दूसरा, प्रधानमंत्री यह बताएं कि श्री राम मंदिर को श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया चंदा और चढ़ावा कैसे चोरी हो गया, जबकि ट्रस्ट प्रधानमंत्री की निगरानी में था।'' विपक्ष बीते 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की है। विपक्षी दलों की बैठक में खरगे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव, तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, माकपा के जॉन ब्रिटास और कई अन्य नेता शामिल हुए।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर नागेश्वर नाथ सहित अन्य प्रमुख शिव मंदिरों पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़,खुद एसएसपी अन्य अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। सावन माह के प्रथम सोमवार पर नागेश्वर नाथ शिव के मंदिरों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।इस दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए खुद एसएसपी अयोध्या डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी व अन्य पुलिस प्रशासन अधिकारियों के साथ नागेश्वर नाथ मंदिर सहित अन्य प्रमुख घाटों का निरीक्षण किया।राम नगरी के प्राचीन नागेश्वर नाथ मंदिर के अलावा अन्य प्रमुख शिव मंदिरों व प्रमुख शिवालयों की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यकता अनुसार बैरिकेडिंग भी लगाए गए हैं। इन मंदिरों पर दर्शन के दौरान

किसी अप्रिय घटना की स्थित ना उत्पन्न हो इसके लिए प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश तथा निकास के द्वारा अलग–अलग बनाए गए हैं।श्रद्धालुओं तथा कांवरियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों के अलावा बामनिरोधक दस्ते, के अलावा महिला सुरक्षा के लिए प्रवेश तथा निकास के द्वारा अलग–अलग बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं तथा कांवरियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों के अलावा बम निरोधक दस्ते, के अलावा महिला सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती आवश्यकता अनुसार इन मंदिरों पर रही। वहीं सरयू के प्रमुख घाटों पर जल पुलिस सक्रिय रही। श्रावण मास के खासकर सोमवार के दिन और सावन मेले के दौरान विभिन्न गतिविधियों को सुरक्षा कर्मियों के द्वारा सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी भी की जाएगी। वही अभी से ही कुछ कांवरियों की भी रामनगरी में आवागमन शुरू हो गया है। श्रावण मास के पहले सोमवार को रामनगरी में प्राचीन शिव मंदिर नागेश्वर नाथ के अलावा,क्षीरेश्वर नाथ मंदिर, पंचमुखी मंदिर,झारखंडेश्वर, महादेव विघ्नेश्वर महादेव सहित अन्य प्रमुख शिवालयों व शिव मंदिरों पर खासकर श्रावण मास के सोमवार के दिन शिव भक्तों की काफी भीड़ दिखाई दी।इस मौके पर इन अधिकारियों के अलावा सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी,प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या पंकज सिंह, महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला सहित अन्य प्रशासन पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

संपादकीय

आय में सुस्ती

आम जन का जीवन स्तर गतिरुद्ध हो, शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी नजर ना आ रही हो, और बेरोजगारी से निपटने के उपाय दिखावटी बन गए हों, तो कैसी सामाजिक शांति की आशा की जा सकती है? विभिन्न जन समूहों में असंतोष क्यों फैल रहा है, सरकार चाहे तो इसे खुद अपने आंकड़ों से समझ सकती है। खुद उसकी नीतियों ने युवा वर्ग में भविष्य के प्रति निराशा भरी है, तो बहुसंख्यक ग्रामीण आबादी की जिंदगी को दूभर बनाया है। कुछ बानगियों पर गौर कीजिए। 2024 में युवा बेरोजगारी दूर करने के लिए धूम–धड़ाके से शुरू की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना अपने लक्ष्य से 99 प्रतिशत पीछे चल रही है। कॉरपोरेट मंत्रालय ने एक आरटीआई अर्जी पर बताया कि 30 अप्रैल 2026 तक कंपनियों ने 2.97 लाख इंटर्नशिप अवसर पैदा किए, जो दो साल के लक्ष्य का लगभग दसवां हिस्सा है। तस्वीर और निराशाजनक हो जाती है, जब ध्यान जाता है कि वास्तविक ऑफर 1.73 लाख ही रह गए। इनमें से जिन लोगों को ऑफर दिए गए, उनमें से लगभग 18,000 लोग ही काम पर पहुंचे। उनमें से केवल 5,200 लोग अंत तक टिके पाए। इस बीच ये आंकड़ा भी चर्चित हुआ है कि केंद्रीय बजट में शिक्षा मंत्रालय के लिए आवंटन 2013–14 (4.6 फीसदी) की तुलना में 2025–26 में आधा (2.5 प्रतिशत) रह गया है। इसी बीच राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की एक ताजा रिपोर्ट से सामने आया है कि सिर्फ 27.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों की आय में पिछले वर्ष वृद्धि दर्ज हुई। यह सितंबर 2024 से शुरू हुए इस सर्वे का सबसे निचला स्तर है। इसके मुताबिक 52.6 फीसदी परिवारों की आय में कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि 19.8 प्रतिशत परिवारों की आय गिरी। यानी 72 फीसदी परिवारों के जीवन स्तर में सुधार दर्ज नहीं हुआ। आय में सुस्ती और वित्तीय दबाव के कारण अनौपचारिक माध्यमों (जैसे रिश्तेदारों, दोस्तों, या स्थानीय साहूकारों) से कर्ज लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे परिवारों की संख्या 23.6 प्रतिशत हो गई है। जब इस तरह लोगों का जीवन स्तर गतिरुद्ध हो, जमीनी स्तर पर अपनी जर्जर स्थिति के कारण शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी अब नजर ना आ रही हो, और विकराल बेरोजगारी से निपटने के उपाय दिखावटी बन कर रह जाएं, तो समाज में कैसी स्थिरता और शांति की आशा की जा सकती है?

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना

प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य आर्थिक तंगी का सामना कर रहे मेधावी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को सुलभ बनाना है। यह योजना ऐसे छात्रों को देश के शीर्ष रैंक वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के लिए बिना किसी जमानत (कोलैटरल–फ्री) और बिना किसी गारंटर के शिक्षा ऋण प्रदान करती है। यह पारिवारिक आय के आधार पर ब्याज छूट के माध्यम से लाभार्थियों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करती है, जिससे उच्च शिक्षा हासिल करने में आने वाली आर्थिक तंगी कम होती हैं। इस तरह, यह योजना भारत को सतत विकास लक्ष्य 4 (एसडीजी 4) की दिशा में प्रगति करने में योगदान देती है। एसडीजी 4 का उद्देश्य 2030 तक सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना तथा आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना है। पिछले एक दशक के दौरान भारत में उच्च शिक्षा में दाखिले तेजी से बढ़े हैं। सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2014–15 में जहां 23.7त्न था वह 2023–24 में बढ़कर 30.0त्न हो गया। हालांकि, कई मेधावी छात्रों के लिए आर्थिक तंगी की वजह से देश के शीर्ष रैंक वाले संस्थानों में गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा पाना अभी भी मुश्किल भरा रहा है। कई छात्र शिक्षा ऋण के माध्यम से इस आर्थिक तंगी को पूरा करने का प्रयास करते हैं, लेकिन ऐसे कई और छात्र हैं जो इन ऋणों पर लगने वाली ऊंची ब्याज दरों को वहन नहीं कर सकते। इसके कारण अपनी योग्यता के बावजूद इन छात्रों का आईआईटी, आईआईएम और देश के कई अन्य शीर्ष रैंक वाले संस्थानों में पढ़ाई करने का सपना पूरा नहीं हो पाता। ऐसे छात्रों की सहायता के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6 नवंबर, 2024 को पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी थी। यह एक मिशन–मोड पहल है, जिसके तहत देश के चुनिंदा बेहतरीन उच्च शिक्षण संस्थानों में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों को 3त्न ब्याज सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। इन शिक्षा ऋणों को प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी, छात्र–अनुकूल और पूरी तरह डिजिटल है। इसके लिए एक एकीकृत पोर्टल उपलब्ध है, जिसके माध्यम से छात्र शिक्षा ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं, अपने आवेदन की स्थिति देख सकते हैं, ब्याज सब्सिडी का दावा कर सकते हैं और अपनी शिकायतें भी दर्ज करा सकते हैं। यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 से प्रेरित है, जो सिफारिश करती है कि सार्वजनिक और निजी दोनों उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआईएस) में अध्ययन के लिए मेधावी छात्रों को विभिन्न माध्यमों से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पैसे की कमी के कारण कोई भी मेधावी छात्र देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में पढ़ने से वंचित न रहे। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसर उपलब्ध कराने के माध्यम से सतत विकास लक्ष्य (एडीजी) 4 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सकारात्मक योगदान देती है। क्षण संस्थानों में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत और गारंटर के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 1,425 उच्च शिक्षण संस्थान शामिल हैं, जिनमें सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। मैनेजमेंट कोटा, एनआरआई कोटा आदि के तहत होने वाले दाखिले इस योजना के लाभ के लिए पात्र नहीं होंगे। बैंकों को कवरेज का विस्तार करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा ? 7.5 लाख तक के ऋण पर 75त्न क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाती है। 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्रों के लिए यह योजना 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 3त्न ब्याज सब्सिडी का प्रावधान करती है। यह उस पूरी ब्याज सब्सिडी के अलावा है जो पहले से ही उन छात्रों को दी जाती है जिनके परिवार की सालाना आय ?4.5 लाख तक है। पीएम–विद्यालक्ष्मी योजना के तहत पात्र गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षण संस्थानों (क्यूएचईआई) में प्रवेश पाने वाले छात्र बिना किसी जमानत या तीसरे पक्ष की गारंटी के बिना भी शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा ऋण की अधिकतम राशि पर कोई निश्चित सीमा नहीं है। यह राशि उच्च शिक्षण संस्थान द्वारा निर्धारित कोर्स फीस और अन्य शुल्क (जैसे मेस, हॉस्टल फीस, क्यूएचईआई की अन्य रिफंडेबल और नॉन–रिफंडेबल फीस, एक उचित गुणवत्ता वाले लैपटॉप की लागत और पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान छात्र द्वारा आवश्यक रहने का उचित खर्च)आदि पर निर्भर करेगी। सभी आय वर्गों के छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। ऋण देने वाली संस्थाओं को छात्रों को शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार 7.5 लाख रुपये तक के ऋण पर 75त्न क्रेडिट गारंटी प्रदान करती है। इससे ऋणदाताओं का जोखिम काफी कम होता है और छात्रों के लिए शिक्षा ऋण प्राप्त करना आसान होता है।

नेपाल में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा की चिंगारी समूचे हिंदू समाज के लिए खतरे की घंटी है

नीरज

नेपाल की तराई इस समय किसी शांत पहाड़ी देश की तस्वीर नहीं, बल्कि ऐसी बारूद की ढेरी नजर आ रही है, जहां एक मामूली चिंगारी ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। कांवड़ यात्रा की तैयारियों के दौरान डीजे की तेज आवाज को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़पों में बदल गया। पत्थर चले, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी, चेतावनी के तौर पर फायरिंग हुई और आखिरकार गोलियां चलीं। तीन लोगों की मौत ने इस विवाद को स्थानीय घटना से उठाकर राष्ट्रीय संकट का रूप दे दिया। हिंसा की शुरुआत सुनसरी जिले के देवानगंज क्षेत्र से हुई, लेकिन जल्द ही इसकी आग धनुषा, सिराहा, सप्तरी और जनकपुर सहित नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र में फैल गई। प्रशासन को कई जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, जबकि पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने, जुलूस, प्रदर्शन और सभाओं पर रोक लगा दी गई। नेपाल सेना तक को तैनात करना पड़ा, जिससे हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। नेपाल के जिस कप्तानगंज इलाके से इस हिंसा की शुरुआत हुई, वह भारत के बिहार से लगी खुली सीमा के बेहद करीब स्थित है। यह क्षेत्र सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण पालिका के अंतर्गत आता है, जहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय दशकों से एक–दूसरे के पड़ोसी के रूप में रहते आए हैं। स्थानीय बाजार, स्कूल और सामाजिक जीवन दोनों समुदायों के बीच साझा रहे हैं। यही नजदीकी सामान्य दिनों में सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बनती है, लेकिन तनाव की स्थिति में यही भौगोलिक निकटता छोटी–सी कहासुनी को भी कुछ ही घंटों में बड़े सांप्रदायिक टकराव में बदल देने का खतरा पैदा कर देती है। हम आपको यह भी बता दें कि स्थिति कुछ सामान्य होने पर प्रशासन ने चुनिंदा इलाकों में कर्फ्यू में ढील देना शुरू किया है। हालांकि कई संवेदनशील क्षेत्रों में प्रतिबंध अभी भी जारी हैं। अस्पताल, एंबुलेंस, दवा, दूध, ईंधन और आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई है। इसी के साथ विभिन्न जिलों में शांति रैलियां निकाली जा रही हैं, ताकि दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाल किया जा सके। जनकपुर में सर्वदलीय बैठक आयोजित कर राजनीतिक दलों, धार्मिक नेताओं और सामाजिक प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने का प्रयास भी किया गया। उधर, इस मुद्दे पर लगातार आलोचना झेलने के बाद प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह ने पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने हिंसा की निष्पक्ष जांच के लिए समिति गठित करने की घोषणा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों और नफरत फैलाने वाले संदेशों से बचने तथा केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की। सरकार ने मृतकों के परिजनों को दस–दस लाख नेपाली रुपये का मुआवजा देने और उन्हें शहीद घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने का भी वादा किया है। लेकिन सवाल केवल इतना नहीं है कि हिंसा कैसे भड़की। असली चिंता यह है कि नेपाल, जिसे लंबे समय तक धार्मिक सह–अस्तित्व का उदाहरण माना जाता था, वहां अब सामाजिक ध्रुवीकरण की घटनाएं अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देने लगी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि स्थानीय विवाद, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें, कमजोर प्रशासनिक प्रतिक्रिया, बेरोजगारी और समुदायों के बीच बढ़ता अविश्वास ऐसे हालात को और विस्फोटक बना रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि इस घटना को केवल हिंदू–मुस्लिम संघर्ष के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि इसके पीछे राजनीतिक, सामाजिक और संस्थागत कारण भी मौजूद हैं। दरअसल, नेपाल की तराई पहली बार बड़े पैमाने पर हिंसा का गवाह नहीं बनी है। वर्ष 2007 का गौर नरसंहार, कपिलवस्तु की जातीय हिंसा और 2015 की टीकापुर घटना इस क्षेत्र की संवेदनशील सामाजिक संरचना की याद दिलाती हैं। इन घटनाओं का स्वरूप धार्मिक नहीं था, बल्कि जातीय और राजनीतिक संघर्षों से जुड़ा था। लेकिन इन सभी घटनाओं में एक समानता स्पष्ट दिखती है कि बड़ी भीड़ रही, प्रशासन की देर से प्रतिक्रिया आई और स्थानीय तनाव ने तेजी से हिंसक रूप ले लिया। यही कारण है कि आज धार्मिक विवाद भी उसी संवेदनशील सामाजिक ढांचे में और अधिक विस्फोटक साबित हो रहे हैं। इसी संदर्भ में नेपाल में बढ़ते धार्मिक ध्रुवीकरण पर भी बहस तेज हो गई है। कुछ राजनीतिक समूह नेपाल की बदलती जनसांख्यिकीय और धार्मिक राजनीति को लेकर चिंता जता रहे हैं तथा इसे बढ़ते इस्लामी प्रभाव या पहचान–आधारित राजनीति से जोड़ रहे हैं, जबकि अन्य विशेषज्ञ इसे सामाजिक अविश्वास, आर्थिक निराशा तथा राजनीतिक ध्रुवीकरण का संयुक्त परिणाम मानते हैं। देखा जाये तो नेपाल इस समय धार्मिक पहचान की राजनीति के बढ़ते प्रभाव का सामना कर रहा है, जिससे सभी समुदायों के बीच तनाव बढ़ने का जोखिम पैदा हुआ है। हम आपको बता दें कि नेपाल की 2021 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम आबादी राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 5 प्रतिशत है, लेकिन मधेश और तराई के कई सीमावर्ती जिलों में उनकी हिस्सेदारी राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। सुनसरी, धनुषा, रौतहट, पर्सा और सराही जैसे जिले भारत की खुली सीमा से जुड़े हैं, जहां वर्षों पुराने पारिवारिक, वैवाहिक और व्यापारिक रिश्ते बिहार तथा उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि सीमा के दोनों ओर पैदा होने वाले सामाजिक या सांप्रदायिक तनाव एक–दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। भारत के लिए चुनौती केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि अफवाहों, कट्टरपंथी प्रचार, संगठित उकसावे और सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाले दुष्प्रचार पर भी समान रूप से नजर रखना आवश्यक होगा। भारत के लिए यह घटनाक्रम विशेष महत्व रखता है क्योंकि हिंसा प्रभावित अधिकांश जिले भारतीय सीमा से लगे हुए हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश से सटी खुली भारत–नेपाल सीमा दोनों देशों की सबसे बड़ी ताकत भी है और संवेदनशीलता भी। यदि नेपाल में सांप्रदायिक तनाव लंबे समय तक बना रहता है तो उसका असर सीमा पार सामाजिक संबंधों, व्यापार, सुरक्षा और खुफिया चुनौतियों पर भी पड़ सकता है।

मध्य पूर्व में उथल–पुथल से भारत–खाड़ी संबंधों के लिए चुनौतियां

गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) एक समूह के तौर पर, विकासशील भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जीसीसी के सदस्य देशों के भारत के साथ सांस्कृतिक, आर्थिक और सभ्यतागत संबंध बहुत पुराने हैं। हाल के वर्षों में, यह संबंध पारंपरिक खरीदार–विक्रेता रिश्ते से आगे बढ़कर एक रणनीतिक गठबंधन में बदल गया है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, रक्षा सहयोग और वहां रहने वाले भारतीयों का कल्याण शामिल है। इस क्षेत्र में मौजूद तेल और गैस के बड़े भंडार भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम हैं। जीसीसी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलती है। साथ ही, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी भारत के साथ व्यापार पर काफी हद तक निर्भर हैं। यह जीसीसी और भारत की संयुक्त कोशिश है, जिससे इस क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली में मदद मिलेगी। कई संयुक्त परियोजनाओं के माध्यम से इसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता और समृद्धि को बढ़ाने की क्षमता है। आपसी संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क में सहयोग बढ़ाना कारगर साबित हुआ है। प्रवासी और रेमिटेंस (विदेश से भेजा गया पैसा)रू दक्षिण एशियाई व्यापार और व्यापक आर्थिक स्थिरता को प्रवासी कामगारों से काफी समर्थन मिलता है। जीसीसी देशों में लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) भारतीय रहते हैं। जीसीसी देशों ने इस क्षेत्र के विकास में भारतीय समुदाय की भूमिका को माना है। यह पश्चिमी एशिया (मुख्य रूप से जीसीसी) और दक्षिण एशिया के बीच व्यापार और रेमिटेंस की स्थिति है, जो हाल के आंकड़ों पर आधारित है। वित्त वर्ष 2024–25 में, भारत को दुनिया भर से रिकॉर्ड 135.46 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को सबसे ज़्यादा रेमिटेंस मिला है। 2024 में मेक्सिको दूसरे स्थान पर रहा, जहां 68 अरब डॉलर आने का अनुमान है। तीसरे स्थान पर चीन रहा, जहां अनुमानित 48 अरब डॉलर आए। भारत को मिलने वाले कुल रेमिटेंस में जीसीसी देशों की हिस्सेदारी लगभग 38: है, जो इस क्षेत्र में बड़ी आर्थिक आमद का जरिया है। भारत में रेमिटेंस पर निर्भरता कुछ खास इलाकों तक सीमित हैय अकेले यूएई से भारत को कुल रेमिटेंस का लगभग 19.2: हिस्सा मिलता है। इसके बाद सऊदी अरब का स्थान है, जहां से 6.7: रेमिटेंस आता है। भारत में आने वाले कुल रेमिटेंस (हर साल लगभग +27दृ28 बिलियन) में महाराष्ट्र का हिस्सा करीब 20.5: है, और केरल का हिस्सा करीब 19.7: (लगभग +26दृ27 बिलियन) है। इसलिए, खाड़ी देशों (गल्फ) में मंदी का इन दोनों राज्यों पर बहुत ज़्यादा असर पड़ता है। जीसीसी की कुल आबादी 6.15 करोड़ (61.5 मिलियन) है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) +2.3 ट्रिलियन है। कुल द्विपक्षीय व्यापार (वित्त वर्ष 2024–25) +178.56 बिलियन का है। सितंबर 2025 तक भारत में जीसीसी का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) +31.14 बिलियन से ज़्यादा हो गया है। भारत इंजीनियरिंग का सामान, चावल, कपड़ा, मशीनरी, रत्न और आभूषण एक्सपोर्ट करता हैय और कच्चा तेल, द्रवरूप प्राकृतिक गैस (एलएनजी), पेट्रोकेमिकल्स और सोना जैसी कीमती धातुएं इंपोर्ट करता है। वित्त वर्ष 2024–25 में भारत–खाड़ी व्यापार रिकॉर्ड +178.56 बिलियन तक पहुँच गया, जो भारत के कुल ग्लोबल व्यापार का 15.42: है। इसमें +56.87 बिलियन का एक्सपोर्ट और +121.68 बिलियन का इंपोर्ट शामिल है कृ जिससे जीसीसी भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर ब्लॉक बन गया है, जो भारत के ग्लोबल व्यापार का 15.42: है। पाँच साल का ट्रेंडरू द्विपक्षीय व्यापार सालाना औसतन 15.3: की दर से बढ़ा है। भारत और जीसीसी ने फरवरी 2026 में औपचारिक रूप से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बातचीत शुरू की। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, 2030 तक इस कॉरिडोर में कुल व्यापार +250 बिलियन से ज़्यादा हो सकता है। यूएई के साथ व्यापार +100 बिलियन से ज़्यादा (सीईपीए) के तहत वित्त वर्ष 2025–26 में लगभग +101.25 बिलियन) रहा, जिसमें भारत का व्यापार घाटा +26.53 बिलियन थाय भारत ने +37.36 बिलियन का एक्सपोर्ट किया और +63.89 बिलियन का इंपोर्ट किया। सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत और बहरीन के साथ व्यापार क्रमशः +41.87 बिलियन (भारत का दूसरा सबसे बड़ा जीसीसी पार्टनर), +14.14 बिलियन, +10.61 बिलियन, +1.64 बिलियन का रहा। भू–राजनीतिक चुनौतियों से निपटना अंतरराष्ट्रीय भू–राजनीति में तेजी से हो रहे बदलावों के कारण भारत–जीसीसी सहयोग के सामने चुनौतियां हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच, सबसे बड़ी चुनौती जीसीसी देशों और भारत के लिए संतुलन बनाए रखने की है। पारंपरिक रूप से, भारत और खाड़ी देशों के बीच हाइड्रोकार्बन को लेकर आर्थिक निर्भरता रही है, लेकिन अब रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) की ओर वैश्विक झुकाव के कारण यह संबंध खतरे में है। भारत एक मुश्किल कूटनीतिक स्थिति में है, जहाँ उसे ईरान, इजराइल और सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय दुश्मनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करना पड़ रहा है, खासकर तब जब खाड़ी देश पारंपरिक पश्चिमी सहयोगियों से आगे बढ़कर उभरते एशियाई देशों के साथ नए रणनीतिक गठबंधन बना रहे हैं। इस क्षेत्र का सुरक्षा ढांचा भी बदल रहा है। इन भू–राजनीतिक बाधाओं के बावजूद, भारत–जीसीसी सहयोग को नया रूप देने और उसे बेहतर बनाने के लिए कई रणनीतिक कदम उठाए जा सकते हैं। आर्थिक एकीकरण को बढ़ाने और व्यापारिक जोखिमों को कम करने की दिशा में पहला कदम भारत–जीसीसी एफटीए को जल्द से जल्द पूरा करना है। दूसरा कदम यह है कि सहयोग केवल ऊर्जा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए...इसमें रिन्यूएबल एनर्जी, रिन्यूएबल हाइड्रोजन, खाद्य सुरक्षा, अहम टेक्नोलॉजी और मिलिट्री मैन्युफैक्चरिंग जैसे भविष्य से जुड़े क्षेत्रों को शामिल किया जाना चाहिए। कई बुनियादी रणनीतियां द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत कर सकती हैं और उन्हें भू–राजनीतिक तनावों से बचा सकती हैंरू द्विपक्षीय जुड़ाव के ढांचे को क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर पर ले जानारू मध्य पूर्व की क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थाओं की नाजुकता और बहु–ध्रुवीय प्रकृति के कारण, भारत एक व्यापक क्षेत्रीय नीति से हटकर अधिक लक्षित द्विपक्षीय जुड़ाव के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है। जीसीसी सदस्यों के साथ अलग–अलग बातचीत करके भारत भू–राजनीतिक तनाव वाले मुद्दों से बच सकता है। इससे उसे खाड़ी देशों के आपसी मुद्दों, जैसे राजनयिक संकट और ऐतिहासिक नाकेबंदी, को सुलझाने में मदद मिलेगी। आर्थिक और गैर–तेल संबंधित विविधीकरण के लिए मजबूत गठबंधनरू गैर–तेल आर्थिक विविधीकरण में एक दीर्घकालिक बाजार और सहयोगी के रूप में, भारत खाड़ी देशों को सऊदी अरब के श्विजन 2030श जैसी तेल–बाद की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद कर सकता है। बाधाओं को दूर करने के लिए व्यापार समझौतों और व्यापक आर्थिक ढांचे पर तेजी से बातचीत होनी चाहिए। यदि भारत के निवेश–अनुकूल माहौल और नौकरशाही प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाया जाए, तो खाड़ी देशों के समृद्ध सॉवरेन वेल्थ फंड भारत के बुनियादी ढांचे, परिवहन और टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में भारी निवेश कर सकते हैं। कामगारों की आवाजाही में सुधार और मानव पूंजी पर सहयोगरू जीसीसी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों द्वारा समर्थित पारस्परिक रूप से लाभकारी श्रम संबंध को बदलती आर्थिक स्थितियों के अनुसार ढलना चाहिए।

डरा देगी इसके पीछे की कहानीस मेलोनी ने दी धमकी, मोदी हुए अलर्ट

अभिनय

गरीबी और राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं तब सीमाओं के मानचित्र धुंधले पड़ जाते हैं। और जब कोई देश मानव आबादी को एक जियोपॉलिटिकल हथियार की तरह इस्तेमाल करने लगे तो मंजर वही होता है जो इस वक्त स्पेन के अफ्रीकी एनक्लेव सोटा में नजर आ रहा है। भूमध्य सागर का वो मुहाना जो अफ्रीका और यूरोप के बीच व्यापार का सेतु होना चाहिए था। पिछले 24 घंटों में एक अंतहीन मानवीय और सुरक्षा संकट का गवाह बन चुका है। नागरिक तैर कर बाढ़ फांदकर चट्टानों को पार कर स्पेनिश सरजमी पर दाखिल हो चुके हैं। कम से कम 34 जिंदगियां समुद्र के खारे पानी में खामोश हो गई। सड़कें इस वक्त सहमी हुई है। दुकानें बंद हैं और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांजेस को इसे देश की प्रादेशिक अखंडता पर हमला करार देकर सेना उतारनी पड़ी। लेकिन सवाल सिर्फ हजारों प्रवासियों का नहीं है। सवाल यह है कि आखिर क्या वजह है कि मोरक्को की सीमा से अचानक इतनी बड़ी इंसानी लहर स्पेन में उमड़ पड़ी? क्या यह महज बेहतर जिंदगी की तलाश है या फिर यूरोप की दहलीज पर खेला जा रहा एक बड़ा जिओपॉलिटिकल गेम। आंकड़ों को ध्यान से देखिए। सोटा की कुल आबादी है 83,000 के आसपास और सिर्फ एक दिन के भीतर वहां 60,000 लोग घुस आते हैं। यानी शहर की कुल आबादी का 70:। समुद्र के रास्त मीलों दूर तक तैर कर आते युवा चट्टानों के सहारे आगे बढ़ते बच्चे और महिलाएं और फिर थिएटर के बाजारों में पसरती दहशत। वहां के लोकल्स का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा उग्र और अनकंट्रोल्ड मंजर पहले कभी नहीं देखा। अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों से लेकर आम नागरिकों तक में डर का माहौल है। स्पेन की सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक फैसला दिया था कि समुद्र में रोके गए प्रवासियों को बिना कानूनी प्रक्रिया के तुरंत मुरक्को वापस नहीं भेजा जा सकता। और इसी फैसले की आड़ में आपराधिक नेटवर्क और अफवाहों ने ऐसा तहलका मचाया कि हजारों लोग एक साथ सीमा पर टूट पड़े। बदहाली है। वहीं दूसरी तरफ थोड़ी ही दूरी पर ताकतवर यूरोपीय संघ और विकसित देश स्पेन मौजूद है। स्पेन में इस टाइम पर आपको बता दें कि इमरजेंसी जैसी सिचुएशन बन चुकी है। हजारों लोग स्विमिंग करते हुए स्पेन के कोस्टल टाउन की तरफ पहुंच रहे हैं ताकि वह बॉर्डर्स के अंदर घुसकर सीधे यूरोपियन यूनियन में फैल सके। फेवरेबल वेदर का फायदा उठाकर यह लोग धड़ल्ले से समंदर पार कर रहे हैं। इस दौरान कई लोग डूबे भी हैं। लेकिन भीड़ की रफ्तार जो है यह कम नहीं हो रही। इसमें से कई सारे लोग मोरक्को के हैं। कई अफ्रीकी युवा भी शामिल हैं। इन्हें यह सही वक्त क्यों लगता है बॉर्डर पार करने के लिए? अब आप उसे समझिए क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ऑफ स्पेन ने हाल ही में एक रूलिंग पास की थी कि जो भी लोग समंदर के रास्ते आ रहे हैं स्पेन के अंदर आप उनको तुरंत के तुरंत वापस नहीं भेजोगे। आपको बकायदा लीगल प्रोसेस देना होगा। बस अदालत की इसी फैसले ने इन घुसपैठियों के लिए खुला दरवाजा खोल दिया। स्थाई लोग यह कह रहे हैं कि लीडर्स नेशनल इमरजेंसी लगाओ। हम इन माइग्रेंट्स को हैंडल नहीं कर सकते हैं। हमारे पास रिसोर्सेज खत्म हो चुके हैं। दबाव 1000: बढ़ चुका है। लेकिन स्पेन की सरकार कोई स्ट्रांग एक्शन क्यों नहीं ले पा रही है? अब आप उसे समझिए क्योंकि वहां है कोलीजन गवर्नमेंट। यूरोप में पहले भी देखा गया है मई 202 में 2021 में ऐसा हुआ था कि 48 घंटे के अंदर 8000 से ज्यादा माइग्रेंट्स पहुंच गए यानी कि पहले भी इस तरीके से ओवरवेल्म हो चुका है। वहां का जो पूरा सिस्टम है, जो अपरेटस है वो बहुत ज्यादा ओवरवेल्म हो चुका है। लॉ एंड ऑर्डर की सिचुएशन बन चुकी है। जो हुवा जीसस हैं उन्होंने भी ये इस बार भी अपील करी है कि फोर्सेस को भेजा जाए। यानी कि एक सिक्योरिटी फोर्सेस को भेजकर एक आर्म्ड उनको मदद दी जाए ताकि कोई सुरक्षा को लेकर कोई स्थिति ना बने। अगर इस तरीके से मोरक्को के रास्ते लोग आते हैं तो दिक्कत हो सकती है। इस बीच स्पेन के जो प्राइम मिनिस्टर हैं पेड्रो सशेस उन्होंने भी एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने बताया है कि जो गवर्नमेंट है स्पेन की वो पूरी तरीके से कमिटेड है में जो स्थिति बनी है उस पर एक इमीडिएट रिस्पांस देने के लिए। उन्होंने बताया है कि जितने भी जरूरी रिसोर्सेज हैं उन्हें मोबिलाइज कर दिया गया है। मुरक्को के साथ में भी बातचीत चल रही है। इंटरनेशनल अथॉरिटीज के साथ में बातचीत चल रही है और जैसी जरूरत पड़ेगी नॉर्मल को इस्टैब्लिश करने की उसके लिए कदम उठाए जाएंगे। सोशलिस्ट पार्टी लेफ्ट और सेंटर लेफ्ट सब ने मिलकर यहां पर सरकार बना रखी है सबके अपने–अपने ओपिनियंस हैं। इसका खामियाजा भुगत रहे हैं वहां के नागरिक नेटिव्स। उधर पोलैंड जैसे देश का रवैया भी अलग है। पोलैंड साफ यह कहता है कि हम माइग्रेशन को अपने देश के खिलाफ हथियार नहीं बनने देंगे। बेलारूस बॉर्डर पर उसने इलेक्ट्रिफाइड सर्विलांस और आर्मी बिठा रखी है। कहा है कि ड्रामा यहां पर नहीं चल सकता। लेकिन स्पेन के इस कोहराम को देखकर यूरोप के जो बाकी देश हैं इनकी नींदें उड़ चुकी। इटली के प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सीधा अल्टीमेटम दे दिया है स्पेन को। मेलोनी ने यह साफ कहा है ट्वीट करते हुए कि अगर स्पेन बॉर्डर संभालने में नाकामयाब रहा तो इटली यहां पर मुख दर्शक बनकर नहीं रहेगा। जरूरत पड़ी तो स्पेन के साथ जो एग्रीमेंट हुआ है एरिया की व्यवस्था को संभालने का उसे यह निलंबित भी कर सकते हैं। आखिर सेटा इतना अहम क्यों है उसे समझिए क्योंकि यह अफ्रीका और यूरोप के बीच का इकलौता लैंड बॉर्डर है। इस बार हजारों की संख्या में युवा और नाबालिक बॉर्डर के गेट को तोड़ते हुए स्पेन के अंदर घुस आए हैं। कुछ ने मोरको की तरफ से वाटर कैनन का सामना भी किया तो कुछ ने समंदर में लाशों के बीज तैर कर अपनी जान को जोखिम में डालकर बॉर्डर पार। रिपोर्ट्स जो कहती है ।

गोयल कैम्पस में चिकित्सा शिक्षकों, छात्र -छात्राओं ने विशाल रैली का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल , अनौराकलां,लखनऊ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभियान "आनंदी माँ दृएक जीवन बचाओं" एवं "कैंसर मुक्त भारत यात्रा"के अन्तर्गत महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम (नारी आरोग्य) का आयोजन किया गया । जिसके अन्तर्गत महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम पर चिकित्सा शिक्षकों द्वारा व्याख्यान एवं कॉलेज छात्राओं के मध्य पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज परिसर में किया गया । व्याख्यान में मुख्य अतिथि "स्त्री वेलफेयर फाउंडेशन" की अध्यक्ष नीलू त्रिवेदी एवं उपाध्यक्ष खुशबू त्रिवेदी ने महिलाओं को स्वयं स्वस्थ रहने एवं अन्य महिलाओं को भी स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करने पर तथा महिलाओं में होने वाले "सर्वाईकल कैंसर" की रोकथाम हेतु टिकाकरण कराये जाने पर विशेष ध्यान दिये जाने के बारे में बताया । कार्यक्रम में डॉ ० जौली सक्सेना, एच०ओ०डी०, रस शास्त्र विभाग ने माताओं को अपने बच्चों के साथ साथ स्वयं के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने को बताया । डॉ० नीतिका गौतम, एच०ओ०डी०, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग ने महिलाओं के ष्वूमेन हेल्थ एवं हाईजीनष के अन्तर्गत बताया कि दिनचर्या–रात्रिचर्या एवं आहार विहार का पालन स्त्री स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, इसी क्रम में डॉ० रंजना राजपूत एच०ओ०डी० पंचकर्म विभाग ने "सर्वाईकल कैंसर" की रोकथाम हेतु टिकाकरण एवं जन्म के पश्चात टिकाकरण पर विशेष ध्यान रखने हेतु अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में छात्राओं ने भाषण देते हुए महिलाओं को स्वास्थ्य के जागरूक होने के लिए बताया तथा ष्नारी आरोग्यमष के विषय के अन्तर्गत ज्ञानवान एवं सुन्दर पोस्टर बनायें तथा टीकाकरण पर भी व्याख्यान दिया तथा उसके परिपालन का संकल्प लिया । कार्यक्रम में डॉ० माधवी दीक्षित, डॉ० अविधा,डॉ० मधुलिका ,डॉ० जयशीला, डॉ० जुही ,डॉ० अमृथा ,डॉ० गायत्री, डॉ० नीरजा,डॉ० शीतल, डॉ० वैशाली, डॉ० प्रिया पटेल आदि ने भाग लिया । कार्यक्रम का संयोजन एवं आयोजन प्रधानाचार्य प्रोफेसर अविनाश चन्द्र श्रीवास्तव के देख रेख में डॉ० नौशान रजा, असिस्टेंट प्रोफेसर स्वास्थ्य वृत्त एवं लक्ष्मी बरनवाल, स्वस्थ्य वृत्त विभाग ने किया । महिला स्वास्थ्य हेतु एवं महिलाओं को "सर्वाईकल कैंसर" से मुक्त करने हेतु टिकाकरण किए जाने के लिए जागरूक करने हेतु गोयल कैम्पस में चिकित्सा शिक्षकों, छात्र –छात्राओं की विशाल रैली का आयोजन किया गया एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन कॉलेज के छात्र –छात्राओं द्वारा किया गया । नुक्कड़ नाटक में छात्र –छात्राओं द्वारा "सर्वाईकल कैंसर" के मुख्य कारण ष्भ्च्टष वाइरस तथा कैंसर के लक्षण एवं महिलाओं के खान पान तथा साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया गया । नाटक के माध्यम से छात्र –छात्राओं ने महिलाओं को "सर्वाईकल कैंसर" मुक्त करने हेतु 16 वर्ष से पूर्व भ्च्ट वैक्सीन के दो टीके एवं 16 वर्ष से 45 वर्ष तक 3 टीके दिये जाने के लिए बताया । रैली मे प्रोफेसर अविनाश चन्द्र श्रीवास्तव, डीन एकडमिक प्रोफेसर सुनील गुप्ता,प्रोफेसर सन्तोष अर्जुनागी, प्रोफेसर सुबोध अस्थाना, प्रोफेसर जौली सक्सेना,डॉ० अंकुर सक्सेना , डॉ ० राकेश प्रताप सिंह, डॉ० अतुल, डॉ० नरेन्द्र, डॉ० माधवी,डॉ० नीतिका, डॉ० जयाशीला,डॉ० नौशान, डॉ० संदीप आदि ने एवं छात्र–छात्राओं ने भाग लिया ।

श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर की बैठक सम्पन्न,शोभायात्रा एवं अन्य कार्यक्रम की रणनीति बनाई गई।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कोई भी देवी देवता, महापुरुष किसी जाती विशेष के नहीं होते हैं वे सर्व समाज समुदाय के देवता भगवान महापुरुष होते है इसी प्रकार भगवान चित्रगुप्त जी सर्व समाज समुदाय के देवता हैं और रहेंगे उक्त विचार श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर के संयोजक सरस चन्द श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता सिविल कोर्ट ने आज कायस्थ कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्षध्अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव जी के भगवान चित्रगुप्त कॉलोनी आवास पर आयोजित बैठक में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे और कहा कि इस बार भी 11 नवम्बर को भगवान चित्रगुप्त जी शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर के अध्यक्ष मनोज अग्रहरी वरिष्ठ व्यापारी नेता समाजसेवी ने कहा कि शीघ्र ही पूजन महासमिति की एक वृहद कमेटी घोषित किया जाएगा जिसमें सर्व समाज को जोड़ा जाएगा और जल्दी ही श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर की एक वृहद बैठक किया जाएगा। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस जौनपुर के जिला अध्यक्ष डॉ उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल साहब, कायस्थ एकता मंच के अध्यक्ष दयाशंकर निगम ने कहा कि जैसे लोग अपने अपने घर पर शुभ कार्य में सर्व समाज को आमंत्रित करते है उसी प्रकार भगवान चित्रगुप्त जी शोभायात्रा में सर्व समाज समुदाय को आमंत्रित किया जाएगा किसी भी भगवान को जाती पाती में बांधना उचित नहीं है। श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर के संस्थापक अध्यक्ष चंद्रमोहन श्रीवास्तव एवं कायस्थ महासभा 7235 के जिला अध्यक्षध्संस्थापक अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त पूजन महासमिति जौनपुर को 10 कायस्थ समाज जौनपुर के संगठन एवं 15 विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जौनपुर के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव एवं कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के जिला अध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू ने कहा कि 11 नवम्बर को भगवान चित्रगुप्त जी शोभायात्रा भगवान चित्रगुप्त जी मंदिर बारिनाथ मठ से भगवान चित्रगुप्त मंदिर रूहटा तक जाएगी। कायस्थ महासभा 7235 के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चन्द श्रीवास्तव दीनू,कायस्थ महासभा 0064 के जिला अध्यक्ष मनोज वर्मा, श्री चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव ने कहा है दस कायस्थ संगठन जौनपुर के एक साथ आ गए हैं जो अच्छी शुरुवात है अब समय की मांग है जो अन्य कायस्थ संगठन है पूजन महासमिति से जुड़कर एकता का संदेश दे। बैठक में अन्य कायस्थ संगठन एवं सामाजिक संगठनों से बात कर जोड़ने के लिए चित्रांश महासभा के जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव, एकता मंच के जिला अध्यक्ष दयाशंकर निगम, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शशि श्रीवास्तव गुड्डू भईया एडवोकेट , राष्ट्रीय संरक्षक उमेश श्रीवास्तव फूफा जी को जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। बैठक में सभी संगठन मजबूत करने हेतु, पुस्तिका , कैलेंडर, आमंत्रण पत्र छपने की चर्चा हुई। संचालन राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने किया। बैठक में संरक्षक बजरंग प्रसाद श्रीवास्तव एडवोकेट, डॉ संजय श्रीवास्तव,डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव सोनू, रूपेश श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, अमर श्रीवास्तव , शैलेंद्र मोहन श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव एडवोकेट, अखिलेश श्रीवास्तव बबलू, अनुपम श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव एडवोकेट, अवनीश श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव जिक्की, शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट, देवेन्द्र श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, आर पी श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे। उक्त आशय की जानकारी राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक वरिष्ठ पत्रकार ने दिया। अंत में ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस जौनपुर की महिला जिलाध्यक्ष ज्योति श्रीवास्तव जी के माताजी के निधन पर एवं समाज में हुऐ अन्य निधन पर दो मिनट का मौन रखकर आत्मा शांति के लिए विनती किया गया।

हरियाली तीज महोत्सव आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रॉयल क्वीन एवं आरवीएस के संयोजन में रघुवर मैरिज लॉन में हरियाली तीज महोत्सव विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया।इस अवसर पर 75 से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया। हरे रंग के परिधानों से सजी–धजी महिलाओं ने जमकर भांगड़ा, ग्रुप डांस, सोलो डांस, गायन एवं विभिन्न प्रकार के कंपटीशन में हिस्सा लिया। मिस सावन

सविता को चुना गया। डिंपल दत्ता एवं छाया अग्रवाल ने ज्यूरी की भूमिका निभाई। आयोजक शेखर राजवंशी, रजनी प्रकाश ने सभी महिलाओं को उपहार देकर सम्मानित किया। राशी वर्मा, आर्यन, अनुज,नमन,आकाश, तनु,सौम्या, स्वाती,अजय का उल्लेखनीय सहयोग रहा। विजय ने संचालन करते हुए अंत में आभार व्यक्त किया।

पार्थिव शिवार्चन से समस्त पातकों का होता है नाश – डॉ. रजनीकांत द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्रावण मास के अवसर पर नगर के बड़े श्री हनुमान मंदिर परिसर में पंडित बांके महाराज ज्योतिष संस्थान के तत्वावधान तथा आचार्य (डॉ.) रजनीकांत द्विवेदी के सान्निध्य में 35,035 पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं महारुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में काशी, अयोध्या और प्रयागराज से आए वैदिक विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नमक–चमक विधि से महारुद्राभिषेक संपन्न कराया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर आचार्य (डॉ.) रजनीकांत द्विवेदी ने कहा कि श्रावण मास में पार्थिव शिवलिंग की पूजा और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि पार्थिव शिवार्चन से समस्त पातकों का नाश होता है तथा भगवान शिव की कृपा से भक्तों के कष्ट दूर होकर

मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि शास्त्रों में भगवान शिव के विभिन्न अभिषेकों का अलग–अलग फल बताया गया है। जल से वर्षा, गौदुग्ध से पुत्र प्राप्ति, ईख के रस से लक्ष्मी, घृत से कल्याण, मधु से पाप क्षय तथा कुशोदक से रोग शांति की कामना की जाती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने भी लंका विजय से पूर्व समुद्र तट पर पार्थिव शिवलिंग बनाकर शिव आराधना की थी। कलियुग में पार्थिव शिवलिंग पूजन को अत्यंत फलदायी बताया गया है। रुद्राभिषेक से साधक के पापकर्म क्षीण होते हैं और उसमें शिवत्व का उदय होता है। उन्होंने पार्थिव शिवलिंग पूजन की विभिन्न कामनाओं के अनुसार निर्धारित संख्याओं का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में प्रमुख यजमान के रूप में विवेक पाठक,नीरज उपाध्याय, शशांक सिंह,जे.पी. सिंह, राजेश एवं अर्चना सिंह, संजय सिंह, रत्नेश सिंह, संतोष गुप्ता, डॉ. आर.पी. गुप्ता, सीए संजय गुप्ता, संतोष साहू, सुनील सेठ, निकेश सेठ, विक्की सेठ सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष रानू सिंह, पंडित निशाकांत द्विवेदी, पंडित रौनक शुक्ला, डॉ. गंगाधर शुक्ला, डॉ. दिव्येंदु मिश्र, पंडित प्रमोद मिश्र, पंडित प्रभाकर मिश्रा, पंडित शुभम मिश्रा, पंडित आनंद तिवारी सहित बड़ी संख्या में विद्वानों, कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों ने सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ आयोजन का समापन हुआ।

अर्टिगा कार की टक्कर से शहीद भगत सिंह की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, सात घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में केराकत कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर सारायवीरू चौराहे पर स्थापित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा से जा टकराई। हादसे में कार सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि प्रतिमा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिल्ली नंबर की अर्टिगा कार सारायवीरू चौराहे से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे चौराहे पर स्थापित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रतिमा पूरी तरह टूट गई और कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में घायल सभी लोग देवकली गांव के निवासी बताए गए हैं। घायलों में शिवम मिश्रा (24) पुत्र दिनेश मिश्रा, आशुतोष पाठक (19) पुत्र कौशल पाठक, राधिका पाठक (73) पत्नी सुभाष चंद्र पाठक, सुभाष चंद्र पाठक (74) पुत्र जगन्नाथ पाठक, कौशल पाठक (42) पुत्र सुभाष चंद्र पाठक, सुधा पाठक (40) पत्नी कौशल पाठक तथा मानवी पाठक (16) पुत्री कौशल पाठक शामिल हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही केराकत कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

इस संबंध में जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी केराकत अजय कुमार राय ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची घायलों को हॉस्पिटल भेज दिया गया है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शहीद भगत सिंह की प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखी गई।

बाबा विश्वनाथ दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार ट्रक से टकराई, दो की मौत, तीन घायल जिला अस्पताल में भर्ती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर में वाराणसी–जौनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग–731 पर सोमवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सभी लोग बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर वाराणसी से उन्नाव लौट रहे थे। हादसा बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से कार टकराने के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह करीब पांच बजे नेता ढाबा के सामने तेज रफ्तार मारुति वैगनआर कार (यूपी–32 पीयू–5119) सड़क किनारे खड़े ट्रक (यूपी–44 एटी–3818) के पिछले हिस्से से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार ट्रक के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही बक्शा थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे सभी पांच लोगों को बाहर निकालकर तत्काल जिला चिकित्सालय भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने अखिलेश शुक्ला और अंकित शुक्ला को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल शोभीत श्रीवास्तव, संदीप मिश्रा और शोभीत शुक्ला का उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत फिलहाल सामान्य है।इस मामले में जानकारी लेने पर बक्शा थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि मृतक और घायल सभी उन्नाव जनपद के आवास विकास कॉलोनी, कोतवाली क्षेत्र के निवासी हैं। दुर्घटना के बाद पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर राजमार्ग पर यातायात सामान्य कराया। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है तथा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी लोग बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर उन्नाव वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

जेल की दीवार फांदकर फरार हुआ पॉक्सो आरोपी, जिला कारागार की सुरक्षा पर उठे सवाल

लखनऊ, (संवाददाता)। गोरखपुर जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था उस समय कटघरे में आ गई, जब दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के आरोप में निरुद्ध एक बंदी शुक्रवार सुबह जेल की दीवार फांदकर फरार हो गया। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फरार बंदी की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं, जबकि सुरक्षा में हुई चूक की भी जांच शुरू कर दी गई है।जानकारी के अनुसार, बांसगांव क्षेत्र के सरसोपार निवासी विपिन पुत्र हरिशंकर को दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के एक मामले में 18 जुलाई को न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार भेजा गया था। शुक्रवार सुबह करीब 9रू30 बजे जेलकर्मी 49 बंदियों को जेल परिसर से सटी नई बाउंड्री वाल के पास स्थित बगिया में कार्य कराने के लिए लेकर गए थे।इसी दौरान विपिन ने मौका पाकर पहले परिसर में मौजूद एक पेड़ पर चढ़ाई की और फिर बाउंड्री वाल फांदकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन में अफरा–तफरी मच गई।

जौनपुर सदर में सात संपर्क मार्गो का लोकार्पण, ग्रामीण विकास को मिलेगी नई रफ्तार - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सोमवार को सदर विधानसभा क्षेत्र में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के अंतर्गत निर्मित सात संपर्क मार्गों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने तथा जनहित से जुड़ी विकास योजनाओं को तेजी से पूरा कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्यमंत्री ने कहा कि संपर्क मार्गों के निर्माण से ग्रामीणों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही किसानों, विद्यार्थियों और आमजन को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों में सड़क, पुल, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। लोकार्पित परियोजनाओं में खेतासराय दीदारगंज मार्ग से जैगहों तक 0.55 किलोमीटर संपर्क मार्ग का निर्माण 19.77 लाख रुपये की लागत से कराया गया। गुरैनीदृसोंगर मार्ग से यादव–प्रजापति बस्ती होते हुए गुरैनी मार्ग तक 0.50 किलोमीटर सड़क 14.80 लाख रुपये की लागत से बनाई गई। जपटापुर भुड़कुडा पिच रोड से लपरी नहर तक 0.40 किलोमीटर संपर्क मार्ग 40.12 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया। इसी प्रकार मीरापुरदृ मुबारकपुर मार्ग से पूरा अंधरी गांव में राजीव यादव के घर तक 0.35 किलोमीटर सड़क का निर्माण 12.11 लाख रुपये की लागत से कराया गया। जौनपुरदृखुटहन मार्ग से छतौरा तक 0.50 किलोमीटर संपर्क मार्ग का नवनिर्माण 15.70 लाख रुपये तथा जौनपुरदृखुटहन मार्ग पर मीरापुर पिच रोड से गुलालपुर तक 0.45 किलोमीटर सड़क 17.51 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई। वहीं कोइरीडीहा मल्हनी मार्ग पर ग्राम सभा जर्गे पिच रोड से जर्सी में अरविंद यादव के घर तक 0.37 किलोमीटर संपर्क मार्ग का निर्माण 17.19 लाख रुपये की लागत से कराया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण संपर्क मार्गों के मजबूत होने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, त्रिलोचन महादेव में 20 हजार श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सावन माह के पहले सोमवार को जौनपुर जिले के प्रमुख शिवालयों में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही श्रद्धालु जलाभिषेक और दर्शन–पूजन के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे। गौरी शंकर धाम (सुजानगंज), त्रिलोचन महादेव, सारनाथ महादेव, गोमतेश्वर महादेव सहित जिले के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। मंदिर परिसर दिनभर श्हर–हर महादेवश और श्बोल बमश के जयघोष से गूंजते रहे। पौराणिक त्रिलोचन महादेव धाम में लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा त्रिलोचन महादेव के दर्शन कर जलाभिषेक किया। देर रात हुई बारिश और दिनभर रुक–रुक कर होती बूंदाबांदी भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी। बड़ी संख्या में कांवड़िए और शिवभक्त गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचे और विधि–विधान से भगवान शिव का अभिषेक किया। त्रिलोचन महादेव सहित जिले के अन्य शिवालयों के पट श्रद्धालुओं के लिए भोर में चार बजे खोल दिए गए, जबकि त्रिलोचन महादेव मंदिर में जलाभिषेक का क्रम सुबह तीन बजे से ही शुरू हो गया था। मंदिर प्रशासन ने दर्शन, पूजन और जलाभिषेक की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए। मार्कंडेय महादेव धाम कैथी से गंगाजल लेकर

पहुंचे कांवड़ियों के जत्थे मंदिर परिसर स्थित धर्मशालाओं, विद्यालय प्रांगण और सरोवर की सीढ़ियों पर विश्राम करते दिखाई दिए। त्रिलोचन महादेव मंदिर के पुजारी सोनू गिरी ने बताया कि सावन माह को देखते हुए दर्शन–पूजन और जलाभिषेक की सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थीं। मंदिर प्रबंधक मुरलीधर गिरी ने बताया कि त्रिलोचन महादेव मंदिर की विशेष धार्मिक मान्यता है। मान्यता के अनुसार भगवान शिव स्वयं शिवलिंग के रूप में यहां भूमि से प्रकट हुए थे। इस प्राचीन मंदिर का उल्लेख स्कंद पुराण में भी मिलता है। लोकश्रुति है कि जिस स्थान पर शिवलिंग प्रकट हुआ था, वहां प्रतिदिन एक गाय स्वयं आकर अपना दूध अर्पित करती थी। ग्रामीणों द्वारा खुदाई करने पर शिवलिंग प्रकट हुआ, जिसके बाद यहां मंदिर की स्थापना हुई। यह मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना माना जाता है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने बैरिकेडिंग, सुरक्षा बलों की तैनाती तथा दर्शन व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए, जिससे श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण ढंग से जलाभिषेक और पूजा–अर्चना की।

'श्रावण मास के प्रथम सोमवार एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने श्री शिव संकट हरण मन्दिर सकाहा का किया निरीक्षण'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' श्रावण मास के प्रथम सोमवार एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी अनुनय झा एवं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने श्री शिव संकट हरण मन्दिर सकाहा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मन्दिर मे पूजन अर्चन कर सभी के कल्याण की कामना की। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को श्रावण मास के पावन अवसर पर बधाई एवं शुभकामनायें भी दी। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक निर्देश सभी सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाय। अराजक तत्वों की कड़ी निगरानी की जाए। सीसीटीवी कैमरे नियमित रूप से क्रिया शील रखे जाए। जिलाधिकारी ने सम्बधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विक्रय होने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित रूप से जांच किया जाना सुनिश्चित किया जाए। अधोमानक खाद्य पदार्थों का विक्रय कदापि न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही अग्नि से सुरक्षा हेतु भी समुचित प्रबन्ध किए जाए। सभी सम्बन्धित अधिकारी भ्रमणशील रहते हुए व्यवस्थाओं का अनुश्रवण करना सुनिश्चित करें। अपातकालीन सेवायें, चिकित्सा हेल्प डेस्क, ऐम्बुलेंस, प्राथमिक चिकित्सा सहायता आदि की समुचित व्यवस्था एवं त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने पुलिस व्यवस्थाओं का अनुश्रवण कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की अधिक संख्या के दृष्टिगत निर्धारित रूट प्लान एवं सुरक्षा मानको का कड़ाई से अनुपालन कराया जाये। रूट डायवर्जन प्लान तथा पार्किगं के सम्बन्ध मे भी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक ने दिये। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी आशुतोष, खण्ड विकास अधिकारी बावन रामप्रकाश सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

जीआरपी ने तीन मोबाइल चोरों को रंगे हाथों किया गिरफ्तार

अयोध्या।जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन ने तीन मोबाइल चोर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन अमर प्रकाश सिंह ने बताया श्रावण मेला के प्रथम सोमवार पर सतर्कता बढ़ाते हुए जीआरपी द्वारा चेकिंग अभियान की जा रही थी। इसी दौरान यह तीनों आरोपी गिरफ्तार किए गए।बताया कि गिरफ्तार किए गए इन तीनों आरोपियों की पहचान सूरज यादव पुत्र स्व0 राम सुधर यादव निवासी ग्रा0–गद्दोपुर थाना कैंट,अनुपम पाल पुत्र गया प्रसाद पाल निवासी ग्रा0–द्वारिका पाण्डे का पुरवा जगदीशपुर थाना कैंट व शिवांश पाठक उर्फ गोलू पुत्र राजेश पाठक निवासी ग्रा0–पेशकार का पुरवा थाना थाना कैंट के रूप में हुई है। इन सभी आरोपियों को रेलवे स्टेशन अयोध्या कैण्ट के प्लेटफार्म के पूर्वी छोर पर बनी पानी की टंकी के पास

से उसे समय गिरफ्तार किया गया जब यह तीनों आरोपी प्लेटफार्म पर खड़े एक अन्य व्यक्ति की मोबाइल छीन कर भाग रहे थे यह तीनों मोबाइल चोर अपने मकसद पर कामयाब होते कि उससे पहले जीआरपी ने उन्हें मोबाइल के साथ धर दबोचा।गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 राम नारायण यादव थाना जीआरपी अयोध्या कैंट,हेड कांस्टेबल उदयजीत यादव थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट,कांस्टेबल सचिन सिंह थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट, प्रशांत तथा नवीन राय शामिल रहे।

श्रावण मेला व कावड़ यात्रा को लेकर आने वाले दिनों में रहेगा रूट डायवर्जन

अयोध्या।यातायात पुलिस ने श्रावण मेला व कावड़ यात्रा के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के साथ यातायात आवागमन में किसी तरह की परेशानी ना उत्पन्न हो इसके लिए बीच–बीच तिथियां पर रूट डायवर्जन किया है। यातायात पुलिस के मुताबिक 8 अगस्त सुबह 8रू00 बजे से 11 अगस्त सुबह 8रू00 बजेध्भीड़ समाप्ति तक (द्वितीय सोमवाररर)15 अगस्त सुबह 8रू00 बजे से 17 अगस्त रात 11रू00 बजेध्भीड़ समाप्ति तक (नागपंचमी), 23 अगस्त सुबह 8रू00 बजे से 24 अगस्त रात तकध्भीड़ समाप्ति तक (चतुर्थ एवं अंतिम सोमवार) व 27 अगस्त सुबह 8रू00 बजे से 28 अगस्त रात 11रू00 बजेध्भीड़ समाप्ति तक (श्रावण पूर्णिमा स्नान एवं मेला समापन) तक रूट डायवर्जेंट रहेगा। बताया कि यह रूट डायवर्जेंट सुल्तानपुर से आने वाले वाहन कूड़ेभार होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जाएंगे।रायबरेली से आने वाले वाहन हलियापुर होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से डायवर्ट होंगे। अंबेडकरनगर की ओर से आने वाले वाहन गोविन्दा मोड़दृदोस्तपुरदृपूर्वांचल एक्सप्रेसवे मार्ग से जाएंगे।बाराबंकी की ओर से आने वाले वाहन मिटिरियादृरामसनेहीघाटदृहैदरगढ़दृपूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जाएंगे।बस्ती की ओर से आने वाले वाहन लोलपुर होकर नवाबगंज (गोंडा) की ओर डायवर्ट होंगे।गोंडा से आने वाले वाहन लकड़मंडीदृलोलपुर मार्ग से जाएंगे।गोरखपुर से आने वाले वाहन लिंक एक्सप्रेसवेदृपूर्वांचल एक्सप्रेसवे से डायवर्ट होंगे।लखनऊदृसंतकबीरनगरदृबस्ती की ओर से आने वाले वाहनों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। इस दौरान आवश्यक सेवाओं के वाहनों को डायवर्जन से छूट रहेगी।

प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।श्रावण मास की प्रथम सोमवार की पूर्व संध्या पर कैंट रेलवे स्टेशन पर प्रभारी निरीक्षक अनिल प्रकाश सिंह ने सुरक्षा कर्मियों के साथ चेकिंग अभियान चलाया।सोमवार को उन्होंने श्रावण मास के प्रथम सोमवार के एक दिन पूर्व श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रभारी बम निरोधक दस्ता उपनिरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह की टीम, डॉग स्क्वॉड के साथ कैंट रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र, यात्री प्रतीक्षालय,कैंटीन, प्रवेश तथा निकास द्वार के अलावा सभी प्लेटफॉर्मों के अलावा स्टेशन परिसर के बाहर रेलवे सर्कुलेटिंग एरिया पर पार्टी से निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के साथ इधर से गुजरने वाली सभी ट्रेनों के अंदर जाकर भी रेल यात्रियों के सामानों का भी निरीक्षण किया।साथ ही साथ स्टेशन परिसर के अंदर संदिग्ध व्यक्तियों एवं लावारिस वस्तुओं की जांच की गई।इस मौके पर उन्होंने रेल यात्रियों से अपील किया कि वे अपने सामान की निगरानी रखें, किसी भी अपरिचित व्यक्ति से खाने–पीने की वस्तु स्वीकार न करें तथा कोई संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु दिखाई देने पर तत्काल जीआरपी, आरपीएफ अथवा रेलवे हेल्पलाइन को सूचना दें।चेकिंग के दौरान प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह ने बताया कि रेलवे परिसर में कानून–व्यवस्था भंग करने,अफवाह फैलाने या यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए श्रावण मास के दौरान यह विशेष जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

इनायत नगर पुलिस ने 4 बाइक चोरो को आधा दर्जन बाइक समेत किया गिरफ्तार

अयोध्या। इनायत नगर पुलिस ने चार बाइक चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से आधा दर्जन से अधिक बाइक तथा दो खुली चेचिस बरामद किया।प्रभारी निरीक्षक थाना इनायत नगर राजेश सिंह ने बताया सोमवार को गिरफ्तार किए गए इन आरोपियों की पहचान अनीस कुमार राजू पुत्र भागीरथ पासी निवासी ग्राम सोन वर्षा थाना बल्दीराय जिला सुल्तानपुर,गंगा राम पुत्र गयाबक्श यादव निवासी लोधे का पुरवा मजरे धमथुवा थाना कुमारगंज,अजय पाण्डेय पुत्र शिव नरायन पाण्डेय निवासी ग्राम धमथुवा थाना कुमारगंज व विजेन्द्र कुमार पाण्डेय उर्फ अतुल कुमार पाण्डेय पुत्र जगदीश प्रसाद पाण्डेय निवासी पूरे नरेश पाण्डेय का पुरवा मजरे

रैया थाना बल्दीराय जनपद सुल्तानपुर के रूप में हुई।उन्होंने बताया कि पुलिस ने इन आरोपियों को थाना क्षेत्र के पूरे पाठक का पुरवा भागीपुर ब्रह्म बाबा स्थान से गिरफ्तार किया। बताया कि इन आरोपियों के पास से आठ मोटर साईकिल व दो अदद मोटर साइकिल की खुली हुये चेचिस को बरामद किया।इन आरोपियों को गिरफ्तार करने मे अमर बहादुर सिंह थाना इनायतनगर,उ0नि0 आलोक कुमार सिंह थाना इनायतनगर की मुख्य भूमिका रही।

प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।श्रावण मास की प्रथम सोमवार की पूर्व संध्या पर कैंट रेलवे स्टेशन पर प्रभारी निरीक्षक अनिल प्रकाश सिंह ने सुरक्षा कर्मियों के साथ चेकिंग अभियान चलाया।रविवार को उन्होंने श्रावण मास के प्रथम सोमवार के एक दिन पूर्व श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रभारी बम निरोधक दस्ता उपनिरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह की टीम, डॉग स्क्वॉड के साथ कैंट रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र, यात्री प्रतीक्षालय,कैंटीन, प्रवेश तथा निकास द्वार के अलावा सभी प्लेटफॉर्मों के अलावा स्टेशन परिसर के बाहर रेलवे सर्कुलेटिंग एरिया पर पार्टी से निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के साथ इधर से गुजरने वाली सभी ट्रेनों के अंदर जाकर भी रेल यात्रियों के सामानों का भी निरीक्षण किया।साथ ही साथ स्टेशन परिसर के अंदर संदिग्ध व्यक्तियों एवं लावारिस वस्तुओं की जांच की गई।इस मौके पर उन्होंने रेल यात्रियों से अपील किया कि वे अपने सामान की निगरानी रखें, किसी भी अपरिचित व्यक्ति से खाने–पीने की वस्तु स्वीकार न करें तथा कोई संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु दिखाई देने पर तत्काल जीआरपी, आरपीएफ अथवा रेलवे हेल्पलाइन को सूचना दें।चेकिंग के दौरान प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह ने बताया कि रेलवे परिसर में कानून–व्यवस्था भंग करने,अफवाह फैलाने या यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए श्रावण मास के दौरान यह विशेष जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

नगर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

अयोध्या।कोतवाली नगर पुलिस में ई–रिक्शा पर बिठाकर रुपए चोरी करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा। इस संबंध

में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपों की पहचान दीपक पुत्र स्व0 लालमन निवासी मथानी थाना महरुआ जनपद अम्बेडकरनगर के रूप में हुई है। बताया कि चौकी प्रभारी हवाई पट्टी धर्मेंद्र सिंह ने आरोपी को राजा बोध का पुरवा नहर के पास पुलिया के पास से गिरफ्तार किया।

कांवड़ियों पर अभद्र टिप्पणी, पुलिस चौकी पर कांवड़ियों का विरोध- डेढ़ घटे बाद शांत हुए

गोरखपुर, (संवाददाता)। अयोध्या जलाभिषेक के लिए जा रहे कांवड़ियों पर एक युवक की कथित अभद्र टिप्पणी के बाद शुक्रवार को दक्षिण दरवाजा क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। नाराज कांवड़िये दक्षिण दरवाजा पुलिस चौकी पहुंच गए और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग ाको लेकर करीब डेढ़ घंटे तक हंगामा किया। पुलिस और विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों के समझाने तथा कार्रवाई के आश्वासन के बाद कांवड़िये शांत हुए और अयोध्या के लिए रवाना हो गए। पुरानी बस्ती से शुक्रवार दोपहर विष्णु सोनकर अपने साथियों के साथ

साइकिल से कांवड़ यात्रा लेकर अयोध्या जा रहे थे। कांवड़ियों का जत्था दक्षिण दरवाजा पहुंचा ही था कि वहां एक युवक ने कथित रूप से कांवड़ यात्रा पर अभद्र टिप्पणी कर दी। आरोप है कि उसने कांवड़ियों के साथ अपमानजनक भाषा का भी प्रयोग किया। इससे कांवड़िये आक्रोशित हो गए और विरोध जताते हुए दक्षिण दरवाजा पुलिस चौकी पहुंच गए। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक शशांक शेखर राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कांवड़ियों से वार्ता कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया। इस दौरान विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह भी मौके पर पहुंचे। पुलिस और संगठन के पदाधिकारियों ने आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब डेढ़ घंटे बाद कांवड़ियों ने अपना विरोध समाप्त कर अयोध्या के लिए प्रस्थान किया। विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि यदि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन धरना–प्रदर्शन करेगा। प्रभारी निरीक्षक शशांक शेखर राय ने बताया कि कांवड़ियों को शांत कर अयोध्या रवाना कर दिया गया है। विष्णु सोनकर की ओर से तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ड्रेन में डूबीं 3 सगी–चचेरी बहनें, 2 के शव बरामद– तीसरी की तलाश जारी

गोरखपुर, (संवाददाता)। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के दुबौली गांव में शुक्रवार शाम एक हृदयविदारक हादसा हो गया। गांव की 3 किशोरियां पटरा बुजुर्ग गांव के पास ड्रेन में डूब गईं। इनमें दो सगी और एक चचेरी बहनें शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम को तीनों किशोरियां ड्रेन के पास गई थीं। इसी दौरान पैर फिसलने से तीनों गहरे पानी में डूब गईं। हादसे की खबर मिलते ही गांव वालों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और गोताखोरों ने तलाश अभियान शुरू किया। शनिवार सुबह तक 2 किशोरियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।ैक्त्थ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम तीसरी बच्ची की तलाश में जुटी है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है।

अमूल–पतंजलि के रैपर लगाकर बेच रहे थे नकली घी, तनवी इंटरप्राइजेज से 400 किलो जब्त

गोरखपुर, (संवाददाता)। अगर आप बाजार से घी खरीद रहे हैं तो केवल रैपर देखकर भरोसा करना भारी पड़ सकता है। चौरीचौरा स्थित तनवी इंटरप्राइजेज से शुक्रवार को खाद्य विभाग की छापेमारी में करीब 400 किलो घी पकड़ा गया। घी के पैकेट पर नामी कंपनियों के रैपर चस्पा थे। वहां से करीब 25 बोरा रैपर भी बरामद किया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने पकड़े गए घी को जब्त कर लिया है। घी के कुल पांच नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। नामी कंपनियों के रैपर मिलने की बाबत संबंधित कंपनियों को जानकारी दे दी गई है। माना जा रहा है कि संबंधित कंपनियां जांच के बाद मामले में कॉपीराइट एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर सकती हैं। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डॉ. सुधीर सिंह के नेतृत्व में टीम ने गोपनीय सूचना पर चौरीचौरा स्थित तनवी इंटरप्राइजेज में छापा मारा। जांच के दौरान अमूल, पतंजलि, मधुसूदन, रॉयल और हरियाणा समेत कई कंपनियों के रैपर मिले। खाद्य विभाग के अनुसार ये रैपर दिल्ली से मंगाए गए थे। छापा मारने वाली टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुधीर राय, नागेंद्र चौधरी, संदीप सिंह, सत्यराम यादव व ओम प्रकाश शामिल रहे। नामी कंपनियों के रैपर में घी बेचने से खरीदार शुद्ध और मिलावटी में फर्क नहीं कर पाता। यदि पैकिंग के अंदर घी मिलावटी हुआ तो लोगों के स्वास्थ्य के लिए ज्यादा खतरा पैदा कर सकता है। अब जांच रिपोर्ट आने के बाद ही घी की गुणवत्ता और मिलावट की स्थिति साफ होगी। रिपोर्ट के आधार पर ही कार्रवाई तय होगी। मिलावटी या नकली घी खाने से लोगों को पेट संबंधी कई दिक्कतें हो सकती हैं। इससे पेट दर्द, गैस, अपच, उल्टी और दस्त की समस्या हो सकती है।

संविदा रोडवेज चालकों की भर्ती के लिए अयोध्या डिपो परिसर में कैंप का आयोजन – एआरएम रोडवेज

अयोध्या। अयोध्या डिपो पर पिछले माह से संविदा पर चालकों के लिए भर्ती प्रक्रिया अभी भी चल रही है।इस संबंध में जानकारी देते हुए सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज अयोध्या डिपो धरणेन्द्र कुमार चौबे ने बताया अभी तक लगभग आधा दर्जन संविदा पर तैनात चालकों की भर्ती हुई है।बताया कि अभी भी 71 रोडवेज बस चालकों की और जरूरत है।जिसके लिए रोडवेज परिसर पर प्रतिदिन सुबह 10रू00 से शाम 5रू00 बजे तक कैंप लगाया

जा रहा है।इसके लिए न्यूनतम योग्यता 23 वर्ष 6 माह रखी गई है वही लाइसेंस के साथ–सा द 2 वर्ष तक भारी यात्री वाहन चलाने का अनुभव भी होना चाहिए। बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी इसके अलावा आधार कार्ड जात प्रमाण पत्र तीन पासपोर्ट साइट फोटो भी लेकर कैंप पर आए।

पांच हजार की रिश्वत लेते कनिष्ठ सहायक गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने दबोचा

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत स्वीकृत ऋण की सब्सिडी जारी कराने के एवज में 5,000 रिश्वत लेते हुए जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र कुशीनगर के कनिष्ठ सहायक को एंटी करप्शन गोरखपुर की ट्रैप टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम आरोपी को रविंद्रनगर धूस में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई में जुटी है। शिकायतकर्ता अमन कश्यप निवासी मंगल बाजार, कप्तानगंज ने आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी के खाते में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत स्वीकृत नौ लाख रुपये ऋण की सब्सिडी भेजने के लिए कनिष्ठ सहायक शैलेश कुमार कुशवाहा ने 5,000 रुपये रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायत की पुष्टि होने पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन गोरखपुर की टीम ने शनिवार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। घटना के समय कार्यालय में उपायुक्त प्रवीण कुमार मौर्य समेत

की दोपहर करीब 12:25 बजे जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र कार्यालय पहुंची और कार्रवाई करते हुए आरोपी कनिष्ठ लिपिक को सभी कर्मचारी मौजूद थे, लेकिन मामले की जानकारी होते ही उपायुक्त किसी जांच करने जाने की बात कहकर कार्यालय से चले गए।

पेड़ की टहनियां...ऐसे फांदी जेल की ऊंची दीवार, बंदी के भागने की कहानी- जेलर समेत 5 निलंबित

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर जिला कारागार से शनिवार सुबह बंदी के फरार होने से हड़कंप मच गया। देर रात तक पुलिस तलाशती रही पर वह नहीं मिला। मामले में जेलर समेत 5 अफसरों व कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। बांसगांव क्षेत्र के ग्राम सरसोपार निवासी हरिशंकर विपिन (21) बांसगांव थाने में दर्ज किशोरी का अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत जिला कारागार में न्यायिक अभिरक्षा में बंद था। करीब 8:40 बजे उसे कारागार परिसर के समीप स्थित निर्माणाधीन भवन में अन्य बंदियों के साथ कार्य कराने के लिए ले जाया गया था। इसी दौरान वह मौका पाकर भाग गया। एक पेड़ के सहारे निर्माणाधीन दीवार को पार कर भागने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, डीजी जेल पीसी मीना के मुताबिक मामले की शुरुआती जांच में जेल वार्डर जितेंद्र गौतम और जितेंद्र दुबे, हेड जेल वार्डर ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव और रामजीत सिंह व जेलर अरुण कुमार प्रथम दृष्टया

दोषी पाए गए। इन सभी को तत्काल निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है जबकि जेल अधीक्षक दिलीप कुमार पांडेय के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की संस्तुति शासन को भेजी गई है। जिला कारागार से शुक्रवार सुबह पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म के मामले में निरुद्ध एक विचाराधीन बंदी भाग गया। इससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटना के बाद डीएम और एसएसपी ने शुक्रवार शाम जिला कारागार पहुंचकर निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने करीब 20 मिनट तक जेल परिसर में रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं, जेल प्रशासन की प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने के बाद बंदी रक्षक ज्ञान प्रकाश और जितेंद्र गौतम को निलंबित कर दिया गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।